कुमार जीवन - 42

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **कुमारों से**:- कुमार जीवन में बच जाना यह सबसे बड़ा भाग्य है। कितने झंझटों से बच गये! कुमार अर्थात बन्धमुक्त आत्मायें। कुमार जीवन बन्धनमुक्त जीवन है। लेकिन कुमार जीवन में भी फ्री रहना माना बोझ उठाना।

➳ _ ➳ **कुमारों के प्रति बापदादा का डायरेक्शन है - लौकिक में रहते अलौकिक सेवा करनी है। लौकिक सेवा सम्पर्क बनाने का साधन है। इसमें बिजी रहो तो अलौकिक सेवा कर सकेंगे। लौकिक में रहते अलौकिक सेवा करो। तो बुद्धि भारी नहीं रहेगी। सबको अपना अनुभव सुनाकर सेवा करो।** लौकिक सेवा, सेवा का साधन समझकर करो तो लौकिक साधन बहुत सेवा का चांस दिलायेगा। लक्ष्य ईश्वरीय सेवा का है लेकिन यह साधन है। ऐसे समझकर करो।

➳ _ ➳ कुमार अर्थात् हिम्मत वाले। जो चाहो वह कर सकते हैं। इसलिए बापदादा सदा साधनों द्वारा सिद्ध को प्राप्त करने की राय देते हैं।

➳ _ ➳ **कुमार अर्थात् निरन्तर योगी। क्योंकि कुमारों का संसार ही एक बाप है। जब बाप ही संसार है तो संसार के सिवाए बुद्धि और कहाँ जायेगी। जब एक ही हो गया तो एक की ही याद रहेगी ना! और एक को याद करना बहुत सहज है। अनेकों से तो छूट गये। एक में ही सब समाये हुए हैं!**

➳ _ ➳ सदा हर कर्म से सेवा करनी है, दृष्टि से, मुख से-सेवा ही सेवा। जिससे प्यार होता है उसे प्रत्यक्ष करने का उमंग होता है। हर कदम में बाप और सेवा सदा साथ रहे। अच्छा - **(10-04-1984)**

➢➢ <u>काम विकार के 2 सूक्षम रूप</u>

➳ _ ➳ किसी से <u>Attachment</u>

➳ _ ➳ किसी से <u>Impress</u> हो जाना

➢➢ <u>तपस्वी आतमा सदैव अच्छे और बुरे दोनों के प्रभाव से मुक्त रहती है</u>

➢➢ पुरुषार्थ / सेवा के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ आत्मा को Books / Magazines गिफ्ट में देनी है

→ जैसे :- जीवन को पलटने वाली अद्भुत कहानी

→ जैसे :- ज्ञान अमृत

➳ _ ➳ आपके द्वारा प्रोग्राम में invite कए जाने पर

→ उससे नाराज़ नहीं होना है

■ बल्कि उन्हें बार बार invite करना है